

Name: \_\_\_\_\_ Date: \_\_\_\_\_

क्या निराश हुआ जाए

प्रश्न-1 लेखक ने स्वीकार किया है कि लोगों ने उन्हें भी धोखा दिया है फिर भी वह निराश नहीं हैं। आपके विचार से इस बात का क्या कारण हो सकता है?

उत्तर

---

---

---

---

---

---

---

---

प्रश्न-2 लेखक ने लेख का शीर्षक 'क्या निराश हुआ जाए' क्यों रखा होगा? क्या आप इससे भी बेहतर शीर्षक सुझा सकते हैं?

उत्तर

---

---

---

---

---

---

---

---

क्या निराश हुआ जाए

प्रश्न-1 लेखक ने स्वीकार किया है कि लोगों ने उन्हें भी धोखा दिया है फिर भी वह निराश नहीं हैं। आपके विचार से इस बात का क्या कारण हो सकता है?

उत्तर लेखक ने अपने व्यक्तित्व अनुभवों का वर्णन करते हुए कहा कि वह ठगा भी गया है, दोखा भी खाया है, परन्तु बहुत कम स्थलों पर विश्वासघात नाम की चीज़ मिलती है। लेखक का मानना है कि अगर वह केवल उन्हीं बातों का हिसाब रखेगा, जिनमें धोखा खाया है तो जीवन कष्टकर हो जाएगा और ऐसी घटनाएँ भी बहुत कम नहीं हैं जब लोगों ने अकारण उनकी सहायता की है, निराश मन को ढाँढस दिया है और हिम्मत बँधाई है।

प्रश्न-2 लेखक ने लेख का शीर्षक 'क्या निराश हुआ जाए' क्यों रखा होगा? क्या आप इससे भी बेहतर शीर्षक सुझा सकते हैं?

उत्तर लेखक ने इस लेख का शीर्षक 'क्या निराश हुआ जाए' उचित रखा है। आजकल हम अराजकता की जो घटनाएँ अपने आसपास घटते देखते रहते हैं। जिससे हमारे मन में निराशा भर जाती है। लेकिन लेखक हमें उस समय समाज के मानवीय गुणों से भरे लोगों को और उनके कार्यों को याद करने कहा है जिससे हम निराश न हो। इसका अन्य शीर्षक 'उजाले की ओर' भी रख सकते हैं।